पूना इन्टरनेशनल स्कूल आपका हार्दिक स्वागत करता है

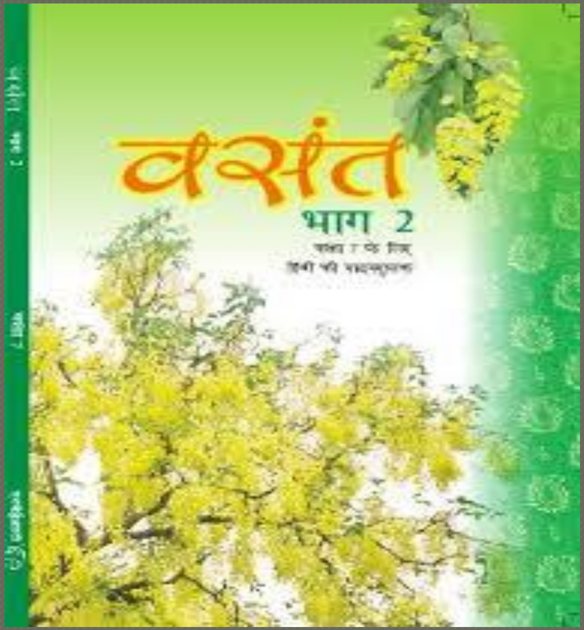
वसंत
भाग 2

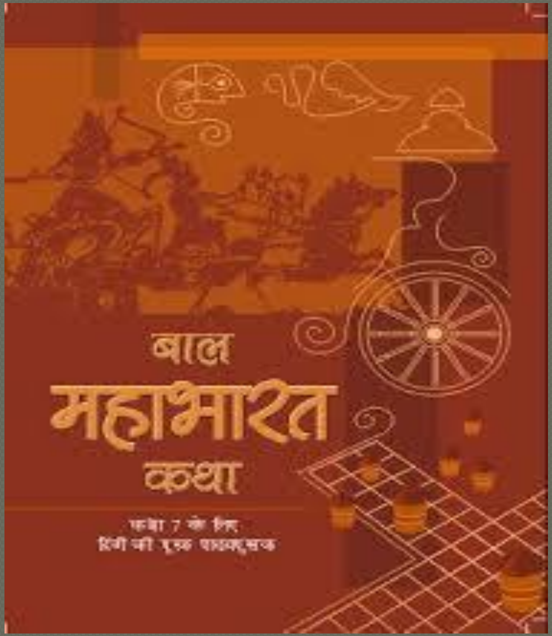
बाल
महाभारत
कथा

पाठ पाँच मिठाईवाला

भगवती प्रसाद वाजपेयी

भगवती प्रसाद वाजपेयी कानपुर के मंगलपुर ग्राम में 11 अक्टूबर, 1899 को जन्मे भगवतीप्रसाद **वाजपेयी** ने नियमित पढ़ाई मिडिल तक ही की। कई-कई नौकरियां कीं और लेखन जारी रहा। क्रमशः वह संपादक हो गए। हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सभापति तो आप रहे ही, फिल्मों के लेखन के लिए भी भाग्य आजमाया

शब्दार्थ

- स्वर- आवाज़
- चिको -घुंघट
- छज्जों -छत पर
- साफ़ा-पगडी

1. पाठ का सार

मिठाईवाले की मनःस्थिति–मिठाईवाला के माध्यम से लेखक ने एक ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्ति की मनःस्थिति पर प्रकाश डाला है जो असमय ही अपने बच्चों तथा पत्नी को खो चुका है। अपने निराशा भरे जीवन में आशा का संचार करने के लिए वह कभी मिठाईवाला, कभी मुरलीवाला व कभी खिलौनेवाला बनकर आता है। बच्चों के प्रति उसका विशेष लगाव झलकता था। उसे उन बच्चों में अपने बच्चों की झलक नज़र आती थी जिससे उसे बहुत संतोष और प्रसन्नता का अनुभव होता है।

मिठाईवाले का बच्चों को आकर्षित करना–मिठाईवाला पैसों के लालच में अपना सामान नहीं बेचता था, वह तो चाहता था कि बच्चे सदा हँसते-खेलते रहें। इस कारण जब-जब भी आता, बच्चों की मनभावन चीज़ें, कभी खिलौने व कभी मिठाइयाँ बेचने के लिए लाता। गली भर में गा-गाकर व कम दाम में सामान बेचकर बच्चों को प्रसन्न करता।

रोहिणी की हैरानी का कारण–विजय बाबू के बच्चे चुन्नू-मुन्नू एक दिन एक खिलौने वाले से खिलौने लेकर आए तो उनकी माँ रोहिणी ने उनसे पूछा–'कितने में लाए हो?' तो मुन्नू ने बताया–'दो पैसे में।' रोहिणी हैरान थी कि खिलौनेवाला इतने बढ़िया खिलौने इतने कम दामों में क्यों बेच गया?

मुरलीवाले का नगर में आना–लगभग छः महीने बाद वही व्यक्ति मुरलियाँ बेचने आया। वह मुरली बजाकर सबका मन मोह लेता था। रोहिणी ने भी उसकी मधुर आवाज़ सुनी तो उसने जान लिया कि यह वही खिलौनेवाला है। उसने अपने पति से मुरलियाँ खरीदने को कहा। विजय बाबू ने दाम पूछा तो मुरलीवाले ने कहा कि वैसे तो तीन-तीन पैसे की बेचता हूँ लेकिन आपको दो पैसे में दूँगा। ऐसा कहने पर विजय बाबू उसे कहने लगे कि तुम लोग तो झूठ बोलते हो, सबको दो पैसे में ही देते होंगे। तो मुरलीवाला भी कह उठा कि यह तो ग्राहकों का दस्तूर है कि दुकानदार भले हानि में वस्तु बेचे पर ग्राहक को यही लगता है कि वह लूट रहा है। विजय बाबू ने मुरली के प्रति उपेक्षा भाव दिखाते हुए भी दो मुरलियाँ खरीद ही लीं। यह सब बातें सुनकर भी रोहिणी को न जाने क्यों मुरलीवाले के प्रति सहानुभूति थी।

मिठाईवाले का बच्चों को बहलाना–आठ माह बीतने के बाद एक दिन फिर नगर-भर में मधुर कंठ फूट पड़ा, "बच्चों को बहलाने वाला मिठाईवाला" रोहिणी को पहचानते देर न लगी कि यह वही फेरीवाला है। उसने दादी से कहा चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है। उसे कमरे में बिठाओ। रोहिणी स्वयं चिक की ओट में बैठ गई और दादी ने उसे बिठा लिया। दादी ने मोल-भाव कर गोलियाँ ले लीं। लेकिन रोहिणी के मन में तो उत्सुकता थी कि उसे इस व्यवसाय में क्या बचता है क्योंकि वह इतने कम दामों पर सामान बेचता था। मिठाईवाले ने कहा कि यही खाने भर

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

कहानी से

प्रश्न 1.

मिठाईवाला अलग-अलग चीजें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर-

मिठाईवाला अलग-अलग चीजें इसलिए बेचता था, क्योंकि वह बच्चों का सान्निध्य प्राप्त करना चाहता था। उसके बच्चों एवं पत्नी की मृत्यु असमय हो गई थी। वह अपने बच्चों की झलक इन गली के बच्चों में देखता था। इसलिए वह बच्चों की रुचि की चीजें बेचा करता था। वह बदल-बदल कर बच्चों की चीजें लाया करता था, इसलिए उसके आते ही बच्चे भी उसे घेर लिया करते थे। वह बच्चे की फरमाइशें पूरी करता रहता था। वह कई महीनों के बाद आता था क्योंकि उसे पैसों का कोई लालच नहीं था। इसके अलावे वह इन चीज़ों को तैयार करवाता था तथा बच्चों के उत्सुकता को बनाए रखना चाहता था।

प्रश्न 2.

मिठाईवाले में वे कौन से गुण थे जिनकी वजह से बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे?

उत्तर

मिठाईवाले का मधुर आवाज में गा-गाकर अपनी चीजों की विशेषताएँ बताना, बच्चों की मनपसंद चीजें लाना, कम दामों में बेचना, बच्चों से अपनत्व दर्शाना आदि ऐसी विशेषताएँ थीं। बच्चे तो बच्चे बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे।

NCERTBooks.Guru

पाठ परिचय

- कठिन शब्द
- शब्दाथ
- पाठ-सार
- प्रश्नो के उत्तर लिखिए।
- व्याकरण विभाग
- लेखन-बोध
- साप्ताहिक परीक्षा

व्याकरण

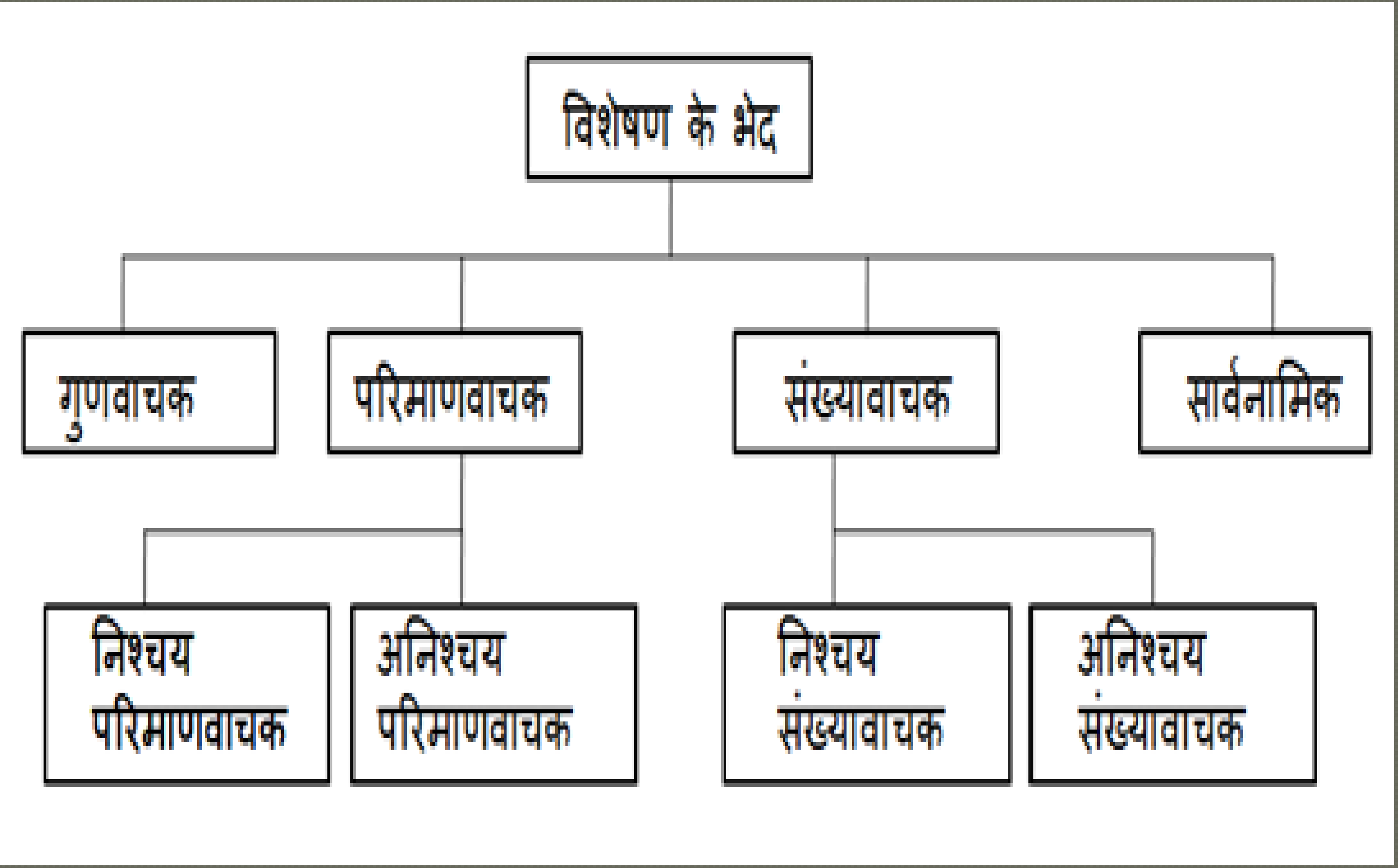

विशेषण के भेद
गुणवाचक
परिमाणवाचक
संख्यावाचक
सार्वनामिक
निश्चय परिमाणवाचक
अनिश्चय परिमाणवाचक
निश्चय संख्यावाचक
अनिश्चय संख्यावाचक

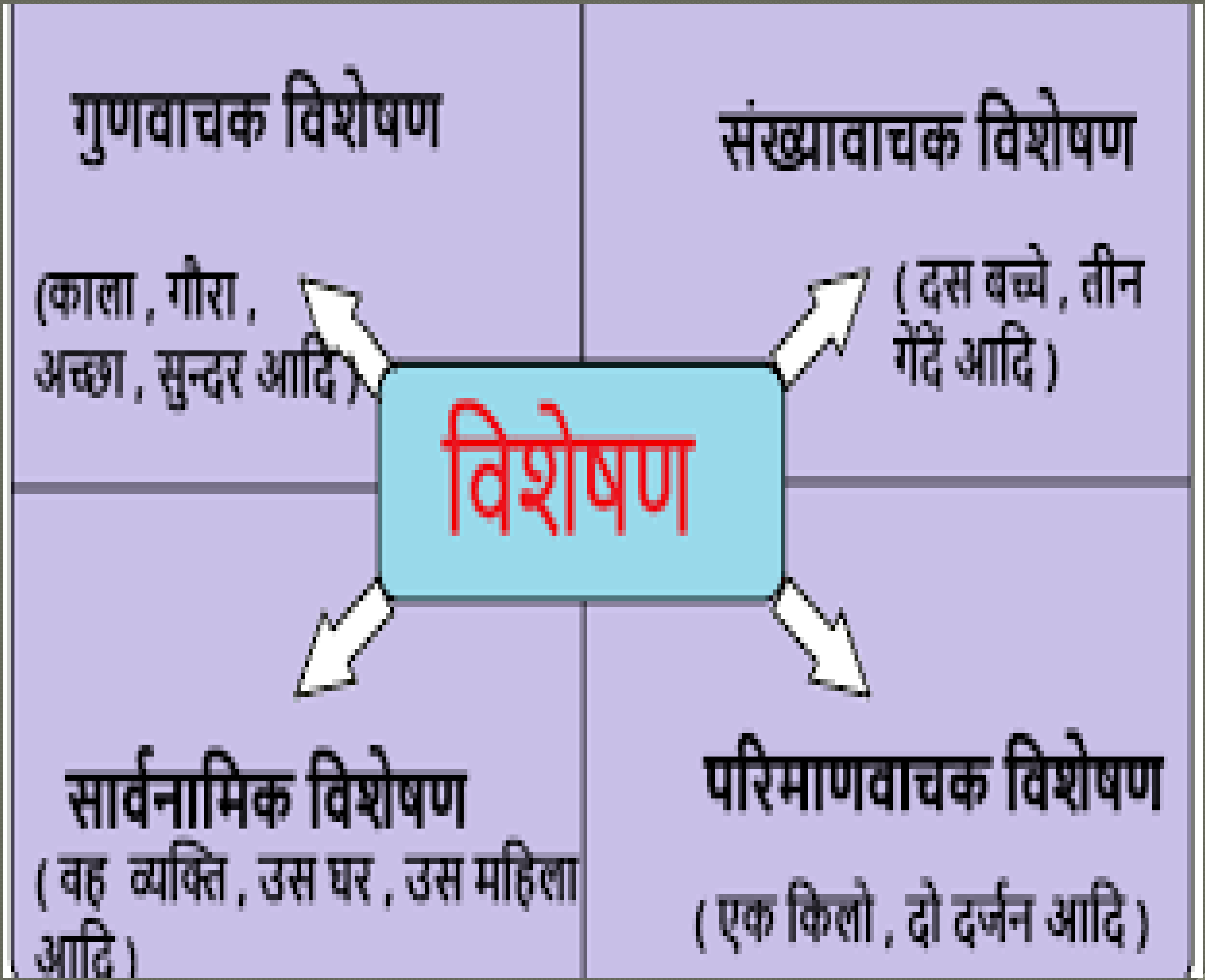
गुणवाचक विशेषण
(काला , गौरा ,
अच्छा , सुन्दर आदि)
संख्यावाचक विशेषण
(दस बच्चे , तीन
गेंदें आदि)
विशेषण
सार्वनामिक विशेषण
(वह व्यक्ति , उस घर , उस महिला
आदि)
परिमाणवाचक विशेषण
(एक किलो , दो दर्जन आदि)

विशेषण के उदाहरण :-

(i) आसमान का रंग नीला है।

(ii) मोहन एक अच्छा लड़का है।

(iii) टोकरी में मीठे संतरे हैं।

(iv) रीता सुंदर है।

(v) कौआ काला होता है।

(vi) यह लड़का बहुत बुद्धिमान है।

(vii) कुछ दूध ले आओ।

(viii) पांच किलो दूध मोहन को दे दो।

(ix) यह रास्ता लम्बा है।

(x) खीरा कडवा है।

(xi) यह भूरी गाय है।

(xii) सुनीता सुंदर लडकी है।

विविध प्रदेशों में प्रसिद् मिठाईयों का चार्ट